गोरैया मित्र अभियान
प्रतिवेदन
वर्ष 2015 से वर्ष 2019

आयोजक :
भोपाल बर्ड्स कंज़र्वेशन सोसाइटी
भोपाल

सहयोग :
मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड
भोपाल

BHOPAL BIRDS
Committed to save nature

जीवो जीवस्य जीवनम्
MADHYA PRADESH STATE BIODIVERSITY BOARD

परिचय

गौरैया पैसेरिडी परिवार की सदस्य है। इनका वितरण विश्व के अधिकांश हिस्सों में है। यह मनुष्यों से लगभग 10,000 वर्ष पूर्व से जुड़ी हुई हैं। भारत में पुरानी मान्यता अनुसार नये घरों में गौरैया के घोंसले बनाना शुभ माना जाता है। यह हमारे आस–पास के स्वस्थ पर्यावरण का सूचक है तथा ईकोसिस्टम की महत्वपूर्ण कड़ी भी हैं। यह लगभग 16 से.मी. आकार का छोटा सा पक्षी है। वयस्क नर कत्थई रंग का एवं कंठ व आँखों के आस–पास काला तथा आँखों के नीचे सफेद धब्बा होता है । मादा पीले भूरे रंग की होती है। परंतु काले व सफेद धब्बे नहीं होते। घरेलू गौरैया (पैसर डोमेस्टिकस) मानव आबादी के पास पाई जाती है।

वयस्क गौरेया मुख्यतः अनाज या घास के दाने खाती है परंतु चूजे केवल कीटों के लार्वे ही खा सकते हैं। घरेलू गौरेया बहुत ही सामाजिक पक्षी है। यह सभी मौसमों में झुंडों में रहती हैं तथा एक साथ धूल स्नान या समूह गायन करती दिखाई देती हैं।

गौरैया अपने जीवनकाल में कुछ किलोमीटर ही उड़ान भरती हैं। सामान्यतः प्रवास नहीं करती। यह लगभग 45.5 कि.मी. प्रति घंटे से उड़ सकती हैं। इनका प्रजनन काल मुख्यतः बसंत तथा गर्मी है । यह सामान्यतः जीवनभर एक ही जोड़े में रहते हैं।

गौरैया रोशनदानों आदि में घास – पूस, पत्तियों, पंखों इत्यादि रखकर घोसलें बनाती हैं। घोंसले बनाने की शुरूआत नर करता है परंतु मादा भी निर्माण में मदद करती हैं। यह एक बार में चार से पाँच अंडे देती है । अंडों का रंग सफेद तथा नीला सफेद होता है मादा अंडों को सेने का काम करती है परंतु नर उनकी सुरक्षा करते हैं। 11 से 14 दिन अंडे सेने के बाद बच्चे निकल आते है जो 11 से 23 दिन में उड़ने को तैयार हो जाते हैं। बच्चों को दोनों माता–पिता मिलकर भोजन खिलाते हैं। सामान्यतः जीवनकाल 14–19 वर्ष का होता है। 1970 के पश्चात् कई देशों में इनकी संख्या में 50 से 70 प्रतिशत तक निरंतर कमी आई है। इनकी संख्या में कमी के प्रमुख कारण बिल्ली तथा अन्य बड़े पक्षियों द्वारा परभक्षण, मोबाईल फोन के इलेक्टोमैग्नेटिक विकिरणें, बीमारी, नीड़न स्थान की कमी, कीटों व लार्वा की कमी, एक समान फसल तथा कीटनाशकों का प्रयोग,अनलेडेड पैट्रोल से बनने वाले मिथाइल नाइट्रांईट तथा देशी प्रजातियों के स्थान पर विदेशी प्रजातियों के वृक्षारोपण। गौरेया आई.यू.सी.एन. की रेडलिस्ट में लीस्ट कन्सर्न वर्ग के अंतर्गत आती है।

गौरेया की संख्या में कमी होने के कारण गौरेया के संरक्षण हेतु लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से वर्ष 20 मार्च 2010 से पूरे विश्व में विश्व गौरेया दिवस मनाया जा रहा है।

म.प्र. में गौरैया संरक्षण हेतु सार्थक प्रयास किये गये हैं। इसकी शुरूआत वर्ष 2015 में 20 मार्च 'विश्व गौरैया दिवस' के अवसर पर 'भोपाल बर्ड्स' संस्था द्वारा की गई।

गौरैया की घटती संख्या का प्रमुख कारण उसके नीड़न के स्थान की समस्या है । जो शहरों में अत्यंत कम उपलब्ध हैं। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा कृत्रिम गौरैया के नीड़न बॉक्स बनाए गये। यह बॉक्स केवल गौरैया के नीड़न के लिए ही वैज्ञानिक रूप से निर्मित हैं तथा उनमें गौरैया के नीड़न व बॉक्स के उपयोग की विधि छपी हुई हैं विभिन्न स्थानों पर इन नेस्ट बॉक्स को व्यक्तिगत व सामूहिक वितरित किया गया। कई आवासीय कॉलोनियों, शासकीय, गैरशासकीय संस्थानों, स्कूल व कॉलेजों में इन बॉक्स के वितरण के साथ गौरैया आधारित व्याख्यान, पावर प्वाइंट प्रदर्शन, क्विज, गीत व कविता पाठ, चित्रकला प्रतियोगिता इत्यादि कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

इन शहरों के सामान्य नागरिकों ने इन नेस्ट बॉक्स को अपने घरों में सुरक्षित स्थानों पर लगाया। जिसमें अधिकांशतः घोंसलो में गौरैया ने नीड़न भी किया। आमजनों को गौरैया के नीड़न हेतु प्रोत्साहित करने के लिए जिन व्यक्तियों के घरों में गौरैया ने इन बॉक्स में नीड़न किया था उन्हें 'विश्व गौरैया दिवस' के अवसर पर 'गौरैया मित्र' अवार्ड से सम्मानित किया जाता हैं।

वर्ष 2015

मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड के सहयोग से प्रथम वर्ष 20 मार्च 2015 को एकांत पार्क , चार इमली में कार्यक्रम आयोजित किया गया प्रथम वर्ष में आयोजित चित्रकला में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जिनमें कई बच्चों तथा युवाओं ने गौरैया को देखा भी नहीं था। प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली चित्रकला में बच्चों व युवाओं द्वारा गौरैया की संकटग्रस्तता एवं उसके संरक्षण के विभिन्न उपायों को चित्रकला व स्लोगन के माध्यम से कागज पर उकेरा गया। संस्था द्वारा फोटोग्राफी प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें दाना चुगती, घौंसले बनाती, बच्चों को खिलाती गौरैया के छायाचित्रों को लोगों द्वारा प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा गौरैया पर आधारित गीत, कविताएँ, कहानियाँ इत्यादि का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्तिथ अतिथिगण डॉ एस पी रॉयल (सदस्य सचिव , मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड), डॉ सुदीप सिंह (वन संरक्षक , राजधानी परियोजना प्रसाशन) , श्री सुधीर कुमार (अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक) , डॉ एलिजाबेथ थॉमस (मैनेजर प्रोजेक्ट्स , मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड)

वर्ष 2015 में कुल 1000 कृत्रिम घोंसलों को भोपाल में निशुल्क वितरित किया गया , ये कृत्रिम घोंसले मार्च से अगस्त के मध्य बाँटे गए। व्यक्तियों के साथ साथ विभिन्न शिक्षण संस्थाओं तथा आवासीय कॉलोनियों में कृत्रिम घोंसले बाँटे गये इनमे प्रमुख हैं महारानी लक्ष्मी बाई कॉलेज, केंद्रीय कर्मचारी आवासीय कॉलोनी , शाहपुरा , हाई टेक सिटी , होशंगाबाद रोड , सुमित एन्क्लेव , चूनाभटी, बिशनखेड़ी ग्राम , सुभाष नगर , हैमिल्टन कोर्ट , लाल घाटी।

वर्ष 2016

20 मार्च 2016 को विश्व गोरैया दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय , पर्यावरण परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरैया संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ एस पी रॉयल (सदस्य सचिव , मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड), श्री आर पी सिंह (अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक , वन्य प्राणी) डॉ मनोज कुमार शर्मा (प्रभारी वैज्ञानिक , क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय) उपस्तिथ थे। इस अवसर पर 2015–16 के गोरैया मित्र सम्मान भी बाँटे गए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 कृत्रिम घोंसलों का वितरण किया गया।

वर्ष 2016 में कुल 1000 कृत्रिम घोंसलों को भोपाल में निशुल्क वितरित किया गया , ये कृत्रिम घोंसले मार्च से अगस्त के मध्य बाँटे गए। व्यक्तियों के साथ साथ विभिन्न शिक्षण संस्थाओं तथा आवासीय कॉलोनियों में कृत्रिम घोंसले बाँटे गये इनमे प्रमुख हैं संस्कार वैली स्कूल , कम्फर्ट एन्क्लेव , परवरिश म्यूजियम स्कूल। इन कृत्रिम घोंसलों में प्रथम वर्ष से ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिले लोगों ने अपने घरों में कृत्रिम घोंसलों के फोटो एवं डाटा भेजा इनमे उत्कृष्ट डाटा भेजने वालों को गोरैया मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया ।

इन कृत्रिम घोंसलों में प्रथम वर्ष से ही सकारात्मक परिणाम देखने को मिले लगभग 400 लोगों ने अपने घरों में कृत्रिम घोंसलों के फोटो एवं डाटा भेजा इनमे उत्कृष्ट डाटा भेजने वालों को गोरैया मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया इनमे श्री शुभम सेन (बिशनखेड़ी), सुश्री इशिता खेमरिया (28 , अंसल प्रधान एन्क्लेव), श्री विकास सक्सेना (एच आई जी 55 , ओल्ड सुभाष नगर) , श्रीमती नीलम खमरिया (27 , अंसल प्रधान एन्क्लेव), श्री अलंकार सिंह (हैमिलटन कोर्ट , एयरपोर्ट रोड) शामिल हैं।

घरौंदे में लौटेंगीं गौरैया

भोपाल। मप्र जैवविविधता बोर्ड और भोपाल बड्‌र्स की ओर से रविवार को शहर के कई कॉलोनियों में आर्टिफिशियल घोसले का वितरण किया गया। साथ ही लोगों को गौरैया संरक्षण से संबंधित जानकारी भी दी गई।

02. 'कै-लाश' नहीं 'कैलास' है वह ... 04. धड़ल्ले से खाली हो रहे ... 05. प्रदेश के सांसदों को नो ... 08. लकड़ब

जबलपुर
रविवार
20 मार्च 2016
वर्ष: 6, अंक: 90
कुल पृष्ठ-8
मूल्य: ₹ 2

सांध्य दैनिक
प्रदेश टुडे
पूरा सच, बेहिचक

06. इस साल होली नहीं मनाएंगी करीना...

...यर, सागर, उज्जैन, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, छग, उप्र, महाराष्ट्र एवं नई दिल्ली से प्रकाशित
www.pradeshtoday.com

विश्व गौरिया दिवस आज, संस्थाओं की मुहिम लाई रंग

संरक्षण से बढ़ी 'गौरैया' की तादाद

प्रदेश टुडे संवाददाता, जबलपुर

विलुप्त हो रही गौरैया के संरक्षण को लेकर प्रदेश में पक्षी विशेषज्ञों द्वारा चलाई जा रही संरक्षण की मुहिम अब कारगर साबित हो रही है। लोगों में गौरैया के प्रति जागरुकता बढ़ने से इसकी तादाद अब धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। पिछले साल अभियान के अंतर्गत लोगों में बांटे गये कृत्तिम घरौंदे न सिर्फ गौरैया को भाय बल्कि उन पर गौरैया ने अंडे भी दिए। परिणाम यह कि गौरैया की चहचाहट घरों और आंगनों में फिर गूंजने लगी।

घरौंदों का बनाया वीडियो

पक्षियों के संरक्षण को लेकर काम कर रही संस्था भोपाल बर्ड आर्गेनाइजेशन को कुछ पक्षी प्रेमियों ने अपने घरों में कृत्तिम घरौंदों में गौरैया के बच्चों के जन्मे जाने के कई वीडियो भेजे हैं। उत्साहित लोगों ने इन वीडियो को न सिर्फ संस्था को भेजा है, बल्कि यू ट्यूब पर लोड किये जा रहे हैं।

आधुनिकता के चलते घटी प्रजनन दर

भोपाल बर्ड आर्गेनाइजेशन के मो. खालिक बताते हैं कि देश में गौरैया चिड़िया की संख्या कम होने का एक मुख्य कारण आधुनिकता की ओर तेजी से बढ़ना है, जिसके कारण चिड़िया के घोंसला बनाने के लिए उपयुक्त स्थान नहीं बचे हैं। इसके चलते गौरैया की प्रजनन दर में तेजी से कमी आई है। पहले कच्चे घरों में घोंसले आसानी से बन जाते थे, पर बढ़ती आबादी के चलते शहर व कस्बों में उपयुक्त स्थान उन्हें नहीं मिल पा रहे हैं।

गौरिया का संरक्षण जरूरी : डॉ. राजगीर

प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए मनुष्य की संवेदनशीलता एवं भविष्य के प्रति अस्तित्व को बचाए रखने के लिए गौरैया संरक्षण जरूरी है। लगातार इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों से लोगों में पहले से जागरुकता आई है। जिसके चलते गौरिया संरक्षण में काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

वर्ष 2017

20 मार्च 2017 को विश्व गोरैया दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञानं संग्रहालय , पर्यावरण परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरैया संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री आर श्रीनिवास मूर्ति (सदस्य सचिव , मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड),डॉ मनोज कुमार शर्मा (प्रभारी वैज्ञानिक , क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञानं संग्रहालय) उपस्तिथ थे। इस अवसर पर 2016–17 के गोरैया मित्र सम्मान भी बाँटे गए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 कृत्रिम घोंसलों का वितरण किया गया।

वर्ष 2017 में कुल 1000 कृत्रिम घोंसलों को भोपाल में निशुल्क वितरित किया गया , ये कृत्रिम घोंसले मार्च से अगस्त के मध्य बाँटे गए। व्यक्तियों के साथ साथ विभिन्न शिक्षण संस्थाओं तथा आवासीय कॉलोनियों में कृत्रिम घोंसले बाँटे गये इनमे प्रमुख हैं आशिमा माल , वन विहार राष्ट्रीय उद्यान , बिशनखेड़ी , दिशा एजुकेशन सोसाइटी , आर्यावर्त स्कूल , अरेरा कॉलोनी । इन कृत्रिम घोंसलों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले लोगों ने अपने घरों में कृत्रिम घोंसलों के फोटो एवं डाटा भेजा इनमे उत्कृष्ट डाटा भेजने वालों को गोरैया मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया इनमे श्री फेहर मुर्तजा (24 हैमिलटन कोर्ट, लाल घाटी , भोपाल), श्री सार्थक नाग (सिल्वर 312 , रॉयल सिटी विदिशा), श्री अमित कुमार ढाढीच (27 ,9 ए , साकेत नगर , भोपाल) , श्री अजमल मारण (गोरागाओं , भोपाल) , श्री सुनील श्रीवास्तव (बिशनखेड़ी , भोपाल)शामिल हैं।

पेंटिंग्स में गौरैया और शहरों से दिखाई उनकी दूरियों की वजहे

विश्व गौरैया दिवस : पेंटिंग कॉम्पिटीशन में 150 स्कूली बच्चे हुए शामिल

सिटी रिपोर्टर • विश्व गौरैया दिवस पर मप्र जैव विविधता बोर्ड और भोपाल बड्र्स द्वारा क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहायल में पेंटिंग कॉम्पिटीशन हुआ। यहां बच्चों ने 'सेव स्पैरो' थीम पर पेंटिंग्स बनाई। किसी ने पेंसिल कलर से गौरैया को दाना खिलाते हाथ बनाए, तो कुछ ने सकोरे और बहते नलों से अपनी प्यास बुझाते गौरैया को पेंटिंग शीट पर उकेरा। गौरैया के साथ शहरों से दूर हो रही नन्ही चिड़ियों की वजहें भी पेंटिंग में बताई। कॉम्पिटीशन दो ग्रुप्स- जूनियर और सीनियर में हुई।

जैव विविधता बोर्ड और भोपाल बड्र्स ने 2016 में शहरवासियों को गौरैया के लिए खास आर्टिफिशियल घोसले बांटे थे। इसके माध्यम से गौरैया को नेस्टिंग में मदद करने वाले गौरैया मित्रों को सम्मानित किया गया।

गौरैया को बचाने अनाज व जल का रखें ध्यान

भोपाल (आरएनएन)। जैवविविधता बोर्ड एवं भोपाल बर्ड्स के संयुक्त रूप से विश्व गौरैया दिवस पर विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्कूल एवं कालेज़ के 150 छात्र-छात्राओं को शामिल हुए। इस श्रीनिवास मूर्ति सदस्य जैवविविधता बोर्ड ने कहा कि गौरैया की प्रजातियों में निरंतर कमी आती जा रही है। इसका मुख्य कारण पेड़-पौधों का दोहन, पर्यावरण प्रदूषण एवं उनके रहने के आवास का खत्म होना है।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगिर ने बताया कि गौरैया के संरक्षण के लिए उनके घौंसले एवं दाना-पानी का ध्यान रखना आवश्यक है। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं को गौरैया मित्र अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी वैज्ञानिक मनोज कुमार शर्मा, मोहम्मद खालिद, विपुल, पायल साहू, शुभांगी, योगेश, पलक शुक्ला, बुसरा, अंतरिक्ष सेठिया, राजदीप और आदित्य जैन उपस्थित थे।

Painting Sparrow

Bhopal | Our Correspondent

Madhya Pradesh State Bio Diversity Board in collaboration with Bhopal Bird organised a painting competition on World Sparrow Day at Regional Museum of Natural History. The competition start from 10 am and around 150students participated in the competition. The competition was categorized in three categories and the categories are junior, senior and open. Artificial nest box were distributed on the spot. ShrinivasanMurti Secretary Member of Bio-Diversity Board, Manoj Kumar Sharma, Scientist-B Incharge, RMNH, Founder member of Bhopal Birds Sangeeta Rajgirand MohammadKhalique were present in the programme.

विश्व गोरैया दिवस पर क्षेत्रीय विज्ञान संग्रहालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

ड्राइंग शीट पर रंगों में उड़ने लगी गोरैया

भोपाल। सोमवार को क्षेत्रीय विज्ञान संग्रहालय में मप्र जैव विविधता बोर्ड एवं भोपाल बर्डस ने विश्व गोरैया दिवस के अवसर पर गोरैया संरक्षण को लेकर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें लगभग 150 स्कूली व महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

गौरिया मित्र अवार्ड से किया सम्मानित

इस मौके पर फैहर मुर्वजा, रोमी नाग, नबा, अमित डाडिच और सुनील श्रीवास्तव को गौरिया मित्र अवार्ड से सम्मानित किया गया। जिन्होंने पिछले वर्ष कृत्रिम नेस्ट बॉक्स को प्राप्त किया था और गौरेया ने सफलतापूर्वक इनके बॉक्स में नीडन किया। इस दौरान जन साधारण के लिए कृत्रिम नेस्ट बॉक्स का निःशुल्क वितरण किया गया। लोगों को जानकारी देते हुए बताया की बॉक्स को पानी और धूप के साथ जानवरों से भी बचा कर रखें।

विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत

विश्व गौरिया दिवस के अवसर पर सोमवार को 10 बजे मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड एवं भोपाल बड्र्स के संयुक्त तत्वावधान में स्कूली एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के सभागार में किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को जूनियर, सीनियर एवं ओपन केटेगिरी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

वर्ष 2018

20 मार्च 2018 को विश्व गोरैया दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञानं संग्रहालय , पर्यावरण परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरैया संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री आर श्रीनिवास मूर्ति (सदस्य सचिव , मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड),डॉ मनोज कुमार शर्मा (प्रभारी वैज्ञानिक , क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञानं संग्रहालय), डॉ सुरेंद्र तिवारी (सदस्य , मध्य प्रदेश वन्य प्राणी बोर्ड) उपस्तिथ थे। इस अवसर पर 2017–18 के गोरैया मित्र सम्मान भी बाँटे गए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 कृत्रिम घोंसलों का वितरण किया गया।

वर्ष 2018 में कुल 1000 कृत्रिम घोंसलों को भोपाल में निशुल्क वितरित किया गया , ये कृत्रिम घोंसले मार्च से अगस्त के मध्य बाँटे गए। व्यक्तियों के साथ साथ विभिन्न शिक्षण संस्थाओं तथा आवासीय कॉलोनियों में कृत्रिम घोंसले बाँटे गये इनमे प्रमुख हैं आशिमा माल , वन विहार राष्ट्रीय उद्यान , बिशनखेड़ी , दिशा एजुकेशन सोसाइटी , आर्यावर्त स्कूल , अरेरा कॉलोनी । इन कृत्रिम घोंसलों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले लोगों ने अपने घरों में कृत्रिम घोंसलों के फोटो एवं डाटा भेजा इनमे उत्कृष्ट डाटा भेजने वालों को गोरैया मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया । इनमे श्री विनोद जाटव (भैंसाखेड़ी) , श्री संजय श्रीवास्तव (जी –15 प्रशासन अकादेमी , 1100 क्वाटर्स , अरेरा कॉलोनी) , कमल (प्लाट नंबर –102। 2 , इंडस्ट्रियल एरिया , गोविंदपुरा , भोपाल),संजीव मारण (गोरागाओं , भोपाल) शामिल हैं।

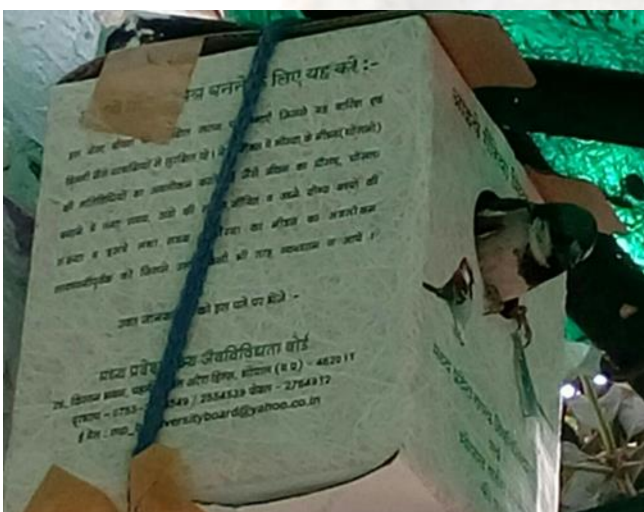

पेंटिंग व स्लोगन कॉम्पीटिशन

गौरैया के संरक्षण का मिलकर करें प्रयास

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश जैवविविधता बोर्ड एवं भोपाल बर्ड्स के संयुक्त तत्वावधान एवं क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के सहयोग से स्कूली एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं हेतु चित्रकला व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर, सीनियर एवं महाविद्यालय तीन वर्गों में लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर पिछले वर्ष में वितरित किए गए कृत्रिम नेस्ट बॉक्स में से जिन व्यक्तियों के घरों में गौरैया ने सफलतापूर्वक नीड़न किया हैं, उनके भेजे गए फोटो के आधार पर संजय श्रीवास्तव, विनोद जाटव, अजमल मारण, संजीव सिंह एवं कमल साहू को 'गौरैया मित्र' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आर. श्रीनिवास मूर्ति ने इस दौरान पशु-पक्षियों के विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि यदि ये पशु-पक्षी संरक्षित नहीं किए गए तो भविष्य में मानव आबादी पर भी इसका विपरीत असर पड़ेगा। डॉ. सुरेन्द्र तिवारी ने गौरैया की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए गौरैया संरक्षण हेतु जनसाधारण के प्रयास करने पर जोर दिया।

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में विश्व गौरैया दिवस पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेते विभिन्न स्कूलों के बच्चे।

पेपर पर उकेरे गौरेया के इमोशंस

क्षेत्रीय प्राकृतिक संग्रहालय में पेंटिंग और स्लोगन लेखन कॉम्पिटीशन का आयोजन

भोपाल। नवदुनिया रिपोर्टर

गौरेया को बचाना है जीवन को खुशहाल बनाना है...। पर्यावरण और गौरेया संरक्षण के प्रति जागरूक करते कुछ ऐसे ही संदेश प्रतिभागियों ने अपनी रंग-बिरंगी पेंटिंग्स के जरिए दिए। मौका था मंगलवार को भोपाल बर्ड्स कंजर्वेशन सोसाइटी की ओर से पेंटिंग कॉम्पिटीशन के आयोजन का। जहां प्रतिभागियों ने अपनी पेंटिंग के माध्यम से लोगों को गौरेया बचाने और पर्यावरण को हो रहे नुकसान के लिए जागरूक करने का प्रयास किया। इस मौके पर मौजूद भोपाल बर्ड्स कंजर्वेशन सोसाइटी के अध्यक्ष मोहम्मद खालिक ने बताया कि विश्व गौरेया दिवस पर लोगों को जागरूक करने के लिए यह आयोजन किया गया था।

आर्ट, थॉट और विजन

इस मौके पर बच्चों ने रंग-बिरंगे रंगों में बने चित्र में अपने इमोशंस को समेटा। चित्रों के द्वारा उन्होंने बताया कि यदि हम गौरेया या अन्य वन्य जीवों को बचाने के लिए अभी नही जागे तो देर हो जाएगी। कुछ बच्चों ने पहली बार पेंटिंग को बनाकर कॉम्पिटीशन में भाग लिया था। प्रतिभागी कॉम्पिटीशन के दौरान अपने क्रिएटिव पेंटिंग आर्ट, थॉट और विजन को रंगों से साकार करते दिखे। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कॉम्पिटीशन राज्य जैव विविधता बोर्ड के संयुक्त प्रयासों से आयोजित किया गया था। यहां चित्रकला और स्लोगन लेखन कॉम्पिटीशन में प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गौरेया के खत्म होने के कारण

पेंटिंग कॉम्पिटीशन में बड़ी संख्या में बाल प्रतिभागियों ने गौरेया, पर्यावरण थीम पर अपनी पेंटिंग्स तैयार कीं। बच्चों ने पक्षियों को बचाने का संदेश चित्रों के द्वारा दिया। इस मौके पर बॉयस व गर्ल्स ने अपनी पेंटिंग में गौरेया के खत्म होने के कारण, पर्यावरण में बढ़ रहे प्रदूषण, इंसान की दखलअंदाजी को भी विशेष तौर पर दिखाने का प्रयास किया।

विश्व गौरैया दिवस पर विशेष

सात साल में 40 प्रतिशत तक बढ़ गई राजधानी में गौरैया की चहचहाहट

इन क्षेत्रों में बढ़ी संख्या

भोपाल ● घर आंगन में फुदकने वाली गौरैया की चहचहाट राजधानी के कई इलाकों में बढ़ गई है। स्वयं सेवी संगठनों व मध्य प्रदेश राज्य जैवविविधिता बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार बीते सात सालों में इनकी संख्या में लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसके पीछे हैं भोपालवासियों में आई जागरूकता और उनके द्वारा गौरैया के आवास और भोजन के लिए किए गए जतन।

हालांकि खतरा अभी भी कम नहीं हुआ है क्योंकि शहरीकरण के लिए प्राकृतिक जंगल खत्म हो रहे हैं तो 4जी और 5जी के लिए तेजी से मोबाइल टावरों का लगना है। वैज्ञानिक शोध के अनुसार मोबाइल टॉवरों से निकलने वाला रेडिएशन गौरैया जैसे पक्षियों की प्रजनन क्षमता को कमजोर कर देता है। उनके अंडे परिपक्व होने के पहले ही फूट जाते हैं। राजधानी के पक्षी विशेषज्ञ मोहम्मद खालिक का कहना है कि पिछले 7 साल में राजधानी में विभिन्न संगठनों द्वारा गौरैया बचाने को लेकर चलाए जा रहे अभियानों ने सकारात्मक असर दिखाया है। खासकर कालोनियों में चलाए जा रहे अभियानों ने अच्छे परिणाम दिए हैं। आज अधिकांश घरों में गर्मी बढ़ते ही पानी के सकोरे, आर्टीफिशियल नेस्ट और छतों एवं आंगन में दाने आसानी से देखने को मिल जाते हैं।

आज होगा गौरैया मित्र का सम्मान

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर भोपाल बर्ड्स और मप्र राज्य जैव विविधिता बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में अरेरा कालोनी स्थित प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय पर्यावरण परिसर में मंगलवार को सम्मान समारोह एवं चित्रकला और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। सुबह 09.30 बजे से स्कूल एवं महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इस विषय 'गौरैया संरक्षण' रखा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान गौरैया मित्रों का भी सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम के दौरान कृत्रिम नेस्ट बॉक्स भी निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।

भोपाल ने इस खूबसूरत परिंदे को बख्शी जिंदगी, उठाए कई कारगर कदम

ऐसे नुकसान पहुंचाता है रेडिएशन

पक्षी वैज्ञानिक डॉ. राजेश श्रीधरन के अनुसार मोबाइल टावरों से निकले वाली तरंगे चिड़िया की दिशा खोजने वाली प्रणाली को प्रभावित करती हैं। इनके प्रजनन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है। शहरों में तेजी से बढ़ रहा प्रदूषण भी इन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। शहरों में बढ़ रहे तापमान से भी गौरैया को नुकसान पहुंचता है। अधिक तापमान गौरैया सहन नहीं कर सकती। प्रदूषण और विकिरण से शहरों का तापमान बढ़ रहा है। वाहनों में प्रयोग होने वाला अनलीडेड ईंधन भी इन्हें नुकसान पहुंचाता है।

पत्रिका Tue, 20 March 2018 epaper.patrika.com//c/27162069

बच्चों ने पेंटिंग बनाकर दिए सेव स्पैरो का सोशल मैसेज

'वर्ल्ड स्पैरो डे' पर पेंटिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन

यंग रिपोर्टर • आईएम भोपाल
Mobile no. 9582826011

वर्ल्ड स्पैरो डे के मौके पर रीजनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में मंगलवार सुबह 9 बजे पेंटिंग और स्लोगन कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्कूलों से आए 200 स्टूडेंट्स ने पार्टिसिपेट कर सेव स्पैरो के सोशल मैसेज दिया। कार्यक्रम में बर्ड्स के विभिन्न स्पीसीज के प्रोटेक्शन पर जोर देते हुए कहा कि यदि ये बर्ड्स प्रोटेक्ट नहीं किए गए तो भविष्य में मानव आबादी पर भी इसका विपरीत असर पडेगा। वहीं डॉ. सुरेन्द्र तिवारी ने गौरैया की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए गौरैया संरक्षण हेतु जनसाधारण के प्रयास करने पर जोर दिया। इस अवसर पर नेचुरल साइंस म्यूजियम के इंचार्ज डॉ. मनोज कुमार शर्मा के साथ भोपाल बर्ड्स के फाउंडर मेम्बर, मो. खालिक उपस्थित रहे।

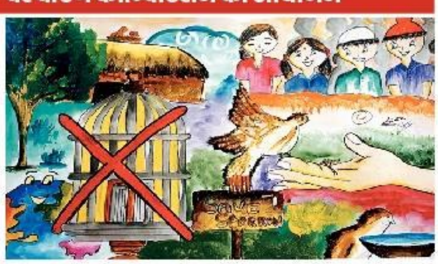

स्लोगन और पेंटिंग कॉम्पीटिशन के विनर्स:

कार्यक्रम के अंत में पेंटिंग और स्लोगन कॉम्पिटिशन के विजेता स्टूडेंट्स को प्राइज दिए गए। जूनियर केटेगरी में प्रियल जैन ने फर्स्ट, जैकब रशीद और नामामी ने सेकंड और थर्ड प्राइज प्राप्त किया। सीनियर केटेगरी में अंतरिक्षा सेठिया ने फर्स्ट और आकृति माहेश्वरी और राजदीप मरीधा ने सेकंड और थर्ड प्राइज दिया। यूनिवर्सिटी केटेगरी में गीतांजली ने फर्स्ट और प्राची कीर और मनीषा सिंह भदौरिया ने सेकंड और थर्ड प्राइज प्राप्त किया। इसी प्रकार स्लोगन कॉम्पिटिशन में पलक अहिरवार ने फर्स्ट और कितर लोधी और सनी ने सेकंड और थर्ड प्राप्त किया।

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में विश्व गौरैया दिवस पर पेंटिंग कॉम्पिटीशन का आयोजन

रंगों से बताया न कच्ची मिट्टी है न पानी, आखिर शहरों में कैसे रहे गौरैया

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

पक्षियों से दूर होते हमारे शहर के बच्चों को गौरैया उनकी दोस्त की तरह दिखाई देती है, जो अब यहां दाना-पानी न मिलने के कारण पूरे परिवार को लेकर दूसरी जगह जा रही है। गौरैया को लेकर कुछ इसी तरह का चित्रण मंगलवार को सिटी के बच्चों ने किया। मौका था, क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में मप्र जैव विविधता बोर्ड की ओर से आयोजित कार्यक्रम का। 'विश्व गौरैया दिवस' के अवसर पर संग्रहालय में पेंटिंग कॉम्पिटिशन और स्लोगन राइटिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया।

तीन कैटेगरी में हुआ कॉम्पिटीशन

पेंटिंग कॉम्पिटिशन जूनियर, सीनियर और कॉलेज कैटेगरी में हुआ, जिसमें बच्चों ने गौरैया का शहर से खत्म हो रहा लगाव, गर्मी के दिनों में नहीं मिल रहा पानी, कच्ची मिट्टी होने के कारण भोजन की कमी और टेलीफोन टॉवर्स के कारण काल का ग्रास बन रहे पक्षियों की व्यथा दिखाई। पेंटिंग कॉम्पिटिशन में जूनियर वर्ग में प्रियल जैन को और सीनियर ग्रुप में अंतरिक्षा सेठिया को पहला पुरस्कार मिला। कॉलेज कैटेगरी में गीतांजलि कॉलेज की प्राची कीर ने पहला स्थान हासिल किया।

दिया गौरैया मित्र अवॉर्ड

स्लोगन कॉम्पिटिशन में पलक अहिरवार पहले स्थान पर रहीं। कार्यक्रम में संजय श्रीवास्तव, विनोद जाटव, अजमल मारण, संजीव सिंह और कमल साहू को गौरैया मित्र अवॉर्ड दिया गया। इन्होंने अपने घरों में गौरैया के ह्यूमनमेड घोंसले लगाए, जिनको गौरैया ने अपनाया और नीड़न किया। इस अवसर पर मप्र जैवविविधता बोर्ड के सदस्य सचिव आर श्रीनिवास मूर्ति आदि शामिल हुए।

48 फोटोग्राफर्स के फोटो हुए डिस्प्ले

वर्ल्ड स्पैरो डे के अवसर पर बुधवार को वन विहार में फोटोग्राफी एग्जीबिशन का शुभारंभ हुआ। भोपाल कैमरा क्लब, भोपाल सिटी इंफॉर्मेशन पोर्टल और वन विहार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह एग्जीबिशन वन विहार वीथिका में लगी है। इसका शुभारंभ संचालक वन विहार समीता राजौरा ने किया। एग्जीबिशन में 48 फोटोग्राफर्स द्वारा क्लिक किए गए फोटोज को डिस्प्ले किया गया है। साथ ही प्रदर्शनी देखने आने वाले लोगों को गौरैया के संबंध में जानकारी दी गई। इस जागरूकता अभियान में वन विहार आए 1241 पर्यटकों में से 975 ने सहभागिता की।

नन्हीं सी चिड़िया

फोटो: एकनाथ जोशी

आजकल स्पैरोडे पर

गौरैया के दूर जाने की वजहें

इंसानों के पास रहना पसंद करती है गौरैया

दिया जाएगा गौरैया मित्र पुरस्कार

विश्व गौरैया दिवस पर केंद्रित 5 दिवसीय एग्जीबिशन आज से

चिड़िया पर पेंटिंग और स्लोगन राइटिंग कॉम्पिटीशन आज

वर्ष 2019

20 मार्च 2019 को विश्व गोरैया दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञानं संग्रहालय , पर्यावरण परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोरैया संरक्षण पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ प्रदीप नंदी , निदेशक एन.सी.एच.एस.ई भोपाल उपस्तिथ थे, श्री पी पी सिंह (माध्यम , मध्य प्रदेश शासन), श्री डी के स्वामी (व्ही एन एस नेचर सेवियर्स) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्तिथ थे।इस अवसर पर 2018–19 के गोरैया मित्र सम्मान भी बाँटे गए। कार्यक्रम के दौरान लगभग 500 कृत्रिम घोंसलों का वितरण किया गया।

इन कृत्रिम घोंसलों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले लोगों ने अपने घरों में कृत्रिम घोंसलों के फोटो एवं डाटा भेजा इनमे उत्कृष्ट डाटा भेजने वालों को गोरैया मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया । इनमे श्री रतनेश जोशी, श्री सतीश प्रजापति ,श्री अमोल अधोलिया ,श्री सौरभ मालवीय ,श्री अंतरिक्ष सेठिया ,सुश्री नंदिनी जाटव ,सुश्री अरण्या आनंद ,सुश्री तनूजा सोनी ,श्री दुर्लभ गुप्ता शामिल हैं।

अपने घरों के आसपास ही करें घोंसलों और पानी की व्यवस्था

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय मे 'विश्व गौरैया दिवस' के मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता

भोपाल । नवदुनिया रिपोर्टर

क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, मप्र राज्य जैवविविधता बोर्ड व भोपाल बर्ड्स की ओर से बुधवार को 'विश्व गौरैया दिवस' के मौके पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर स्कूली एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह प्रतियोगिता जूनियर, सीनियर एवं कॉलेज छात्रों के लिए तीन वर्गों में आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 160 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप नंदी ने कहा कि गौरैया के संरक्षण के लिए शहरी क्षेत्रों में घोंसला बनाने के लिए जगह, पानी आदि की व्यवस्था हम अपने घरों के आसपास कर सकते है। नेचर सेवियर डॉ. डीके स्वामी ने कहा कि प्रकृति के लिए कुछ करना मतलब स्वयं के लिए करना है। उन्होंने कहा कि गौरैया के संरक्षण के लिए जागरूकता की जरूरत है।

यह बने शहर के गौरैया मित्र

इस अवसर पर पिछले वर्ष में वितरित किए गए कृत्रिम घोंसलों से जिन व्यक्तियों के घरों में गौरैया ने सफलतापूर्वक नीड़न किया है, उनके भेजे गए फोटो के आधार पर अरण्या आनंद, अंतरिक्ष सेठिया, सतीश प्रजापति, सौरभ मालवीय, रतनेश जोशी, अमोल अधोलिया, नंदिनी जाटव, तनुजा सोनी और दुर्लभ गुप्ता को 'गौरैया मित्र' अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं में जूनियर वर्ग में मास्टर आद्या शुक्ला ने प्रथम, अवंतिका पटेल द्वितीय और मास्टर मुकेश सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग मे मास्टर अंतरिक्ष सेठिया ने प्रथम, रिया जैन द्वितीय और मेहल अजमेरा तृतीय स्थान पर रहे। कॉलेज स्तर पर प्राची कीर प्रथम, अतुल पटेल द्वितीय, निशी पटीदार तृतीय स्थान पर रहीं। पेज-18 भी देखें

कैनवास में चहकीं गौरैया

आरएमएनएच में विश्व गौरैया दिवस

● जागरण सिटी रिपोर्टर ●

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर भोपाल बर्ड्स एवं क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल के संयुक्त तत्वाधान एवं मध्यप्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड, के सहयोग से स्कूली एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता जूनियर, सीनियर एवं महाविद्यालयीन छात्रों के लिए तीन वर्गों में आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 160 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा पिछले वर्ष में वितरित किए गए कृत्रिम घौंसलों से जिन व्यक्तियों के घरों में गौरैया ने सफलतापूर्वक नीड़न किया, उनके भेजे गए फोटो के आधार

पर अरण्या आनंद, अंतरिक्ष सेठिया, सतीश प्रजापति, सौरभ मालवीय, रत्नेश जोशी, अमोल अधोलिया, नंदिनी जाटव, सुश्री तनुजा सोनी और दुर्लभ गुप्ता को "गौरैया मित्र" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

हरिभूमि 16 17

बच्चों ने वर्ल्ड गौरैया दिवस पर बनाए रंग-बिरंगे चित्र

किसी ने आकाश में उड़ती तो किसी ने पिंजरे में कैद चिड़ियों को कैनवास पर उकेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छात्र-छात्राओं ने कैनवास पर गौरैया के चित्रों को उकेरकर गौरैया मित्र होने का परिचय दिया। किसी बच्चे ने पिंजरे में कैद चिड़ियों को तो किसी ने आकाश में उड़ते हुए दर्शाया। कई बच्चों ने घर पर चिड़ियों के लिए रखे गए पानी को पीते हुए दर्शाया तो कई ने नलों के नीचे भरे हुए पानी को पीते हुए उकेरकर अपनी कौशलता का परिचय देते हुए विलुप्त हो रही गौरैया को बचाने का संदेश दिया।

मौका था भोपाल बर्ड्स एवं क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के संयुक्त तत्वावधान में मप्र राज्य जैवविविधता बोर्ड के सहयोग से चित्र प्रतियोगिता के आयोजन का। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. डीके स्वामी ने कहा कि प्रकृति के लिए कुछ करना मतलब स्वयं के लिए करना है। गौरैया के संरक्षण के लिए जागरूकता की जरूरत है। वहीं डॉ. प्रदीप नंदी ने कहा कि गौरैया संरक्षण के लिए घौंसला बनाने हेतु जगह व पानी की व्यवस्था हम अपने घरों के आसपास भी कर सकते हैं।

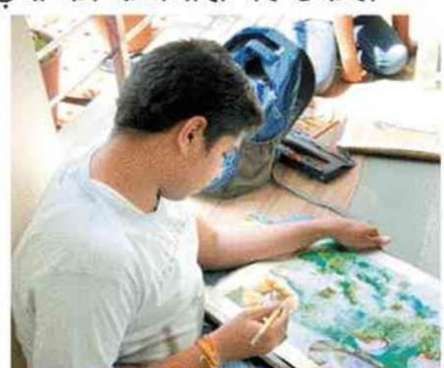

दिए गए गौरैया मित्र अवॉर्ड

पिछले वर्ष वितरित किए गए कृत्रिम घौसलों से जिन व्यक्तियों के घरों में गौरैया ने सफलतापूर्वक नीड़न किया है, उनके भेजे गए फोटो के आधार पर अरण्या आनंद, अंतरिक्ष सेठिया, सतीश प्रजापति, सौरभ मालवीय, रत्नेश जोशी, अमोल अधोलिया, नंदिनी जाटव, तनुजा सोनी और दुर्लभ गुप्ता को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा गौरैया मित्र अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

आद्या, प्राची, अंतरिक्ष रहे प्रथम

जूनियर वर्ग में आद्या शुक्ला ने प्रथम, अवंतिका पटेल और मुकेश सिंह ने द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में अंतरिक्ष ने प्रथम व रिया जैन एवं मेहल ने द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

गौरैया के अंडों को नुकसान पहुंचाता है 4 जी रेडिएशन और 5 जी, सीधे इन पर करेगा इफेक्ट

मुझे पेड़ नहीं मिलते अब गुनगुनाने को, मेरा दिल नहीं करता अब चहचहाने को

शाकिब खान • रिपोर्टर
Mobile no. 9993941954

मुझे पेड़ नहीं मिलते अब गुनगुनाने को, मेरा दिल नहीं करता अब चहचहाने को यह चंद अल्फाज नहीं बल्कि एक पूरी दास्तान हैं, हमारे घर में आने वाली गौरैया की, हालांकि पिछले पांच साल में इनकी संख्या में इजाफा जरूर हुआ है, मगर वह आज भी इनकी संख्या 90 के दशक के दौर से 25 प्रतिशत कम ही है। तो चलिए आज विश्व गौरैया दिवस पर बात करते हैं गौरैया के बारे में....

गौरैया की आबादी का सिलसिला

भोपाल बर्ड्स से मोहम्मद खालिद ने बताया कि करीब 90 के दशक में इनकी संख्या 95 प्रतिशत के आसपास थी इसके बाद से सन 2000 तक इनकी संख्या बराबर रही फिर सन 2000 से लेकर 2013 तक में इनकी संख्या घटकर करीब 40 प्रतिशत ही रह गई। मगर 2018 के आंकड़ों के अनुसार इनकी संख्या बढ़कर अब 70-75 प्रतिशत तक आ गई है। गौरतलब है कि भोपाल बर्ड्स पिछले 6 सालों से गौरैया के बचाने और इसके प्रति लोगों को अवेयर करने का काम करता है। भोपाल बर्ड्स के द्वारा इनके लिए समय-समय पर कार्यशालाएं और बर्ड नेस्ट भी वितरित किए जाते हैं।

भोपाल में इनकी संख्या भोपाल बर्ड्स के सर्वे के अनुसार

लोकेशन	पॉपुलेशन
▶▶ अरेरा कॉलोनी	हायर
▶▶ शिवाजी नगर	मीडियम
▶▶ कोलार	मीडियम
▶▶ शक्ति नगर	मीडियम
▶▶ प्रोफेसर कॉलोनी	लेस
▶▶ नेहरु नगर	लेस
▶▶ अंसल प्रधान एन्क्लेव	मीडियम
▶▶ शाहपुरा	गुड
▶▶ श्यामला हिल्स	गुड
▶▶ त्रिलंगा	मीडियम
▶▶ कमला नगर	लेस
▶▶ बैरागढ़	मीडियम
▶▶ बिशनखेड़ी	हायर
▶▶ अयोध्या बायपास	लेस
▶▶ एमपी नगर	लेस
▶▶ ओल्ड सिटी	लेस

फ्लाइंग सेंस को नुकसान पहुंचाता है मोबाइल रेडिएशन

मोहम्मद खालिद ने बताया कि मोबाइल टॉवर रेडिएशन इनके फ्लाइंग सेंस को डिस्टर्ब्ड करता है, वहीं 4 जी रेडिएशन इनके अंडों के शैल्स को कमजोर करता है, मगर अब बात करूं 5 जी नेटवर्क का तो वह सीधे इनको ही इफेक्ट करेगा। हालांकि सरकारें और कई एजेंसी इन पर काम कर रही हैं कि वह किस तरह से इस दिक्कत से गौरैया को छुटकारा दिला सकें।

क्या करें-क्या ना करें

- ▶▶ घरों में खुलापन होना जरुरी ताकि यह वहां से नेस्टिंग कर सकें।
- ▶▶ घरों में खुला अनाज होता था इनके लिए फायदेमंद मगर अब पैक अनाज भी इनकी विलुप्ति का कारण।
- ▶▶ घर की छत या छज्जे में हमेशा रखें मिट्टी के बर्तन में पानी और दाना।
- ▶▶ पेड़ कटने से बचाएं।
- ▶▶ जितना हो सके फलदार वृक्ष लगाएं ताकि इनको खाने में आसानी हो।

क्या सोचती होगी नन्हीं गौरैया...

मुझे पेड़ नहीं मिलते अब गुनगुनाने को,
मेरा दिल नहीं करता अब चहचहाने को,

मै चुगे दानों को अब छुपा नहीं पाती,
मेरा दिल नहीं करता अब आंगन में जाने को,

घौसले बनाने अब पेड़ नहीं मिल पाते,
मेरा दिल नहीं करता कंक्रीट में घर बसाने को।

पानी के झरोखे अब नजर नहीं आते,
मेरा दिल नहीं करता पंखों से पानी उड़ाने को,

नजर नहीं आते वो बाग बगीचे जाया करती थी जहां
मेरा दिल नहीं करता वीरानों में जाने को।

मेरे बच्चों के लिए अब बच्चे दाना नहीं बिखेरते
मेरा दिल नहीं करता उन छज्जो पर जाने को।

मुझे नहीं पता क्या मुझे बचाया जा रहा है,
मेरा दिल नहीं करता अब शहरों में जाने को

आसमान से मुझे हरियाली नजर नहीं आती,
मेरा दिल नहीं करता जमीन पर रुक जाने को।

मैं स्कूल की किताबों में पढ़ाई जाउंगी यह पता नहीं,
मेरा दिल नहीं करता अब ची-ची करते हुए फुदकने को....

गुजराती में चिकली,
सिंधी में झिरकी,
बंगाली में चराई पाखी
और मराठी में चिमनी मेरे नाम याद नहीं किसी को,
मेरा दिल भी नहीं करता इन नामों से पुकारे जाने को....

(गौरैया की पर्यावरण संरक्षण में खास भूमिका भी है, लेकिन उसकी कम होती तादात चिंता का विषय है। इसी सोच के साथ आईएम भोपाल की सीनियर रिपोर्टर प्रीति जैन द्वारा लिखी गई यह कविता, ताकि एक बार फिर हम सभी घर-आंगन, छत, छज्जो और बालकनी में ऐसा माहौल तैयार करे कि चिड़िया फिर ची-ची करते आ सके।)

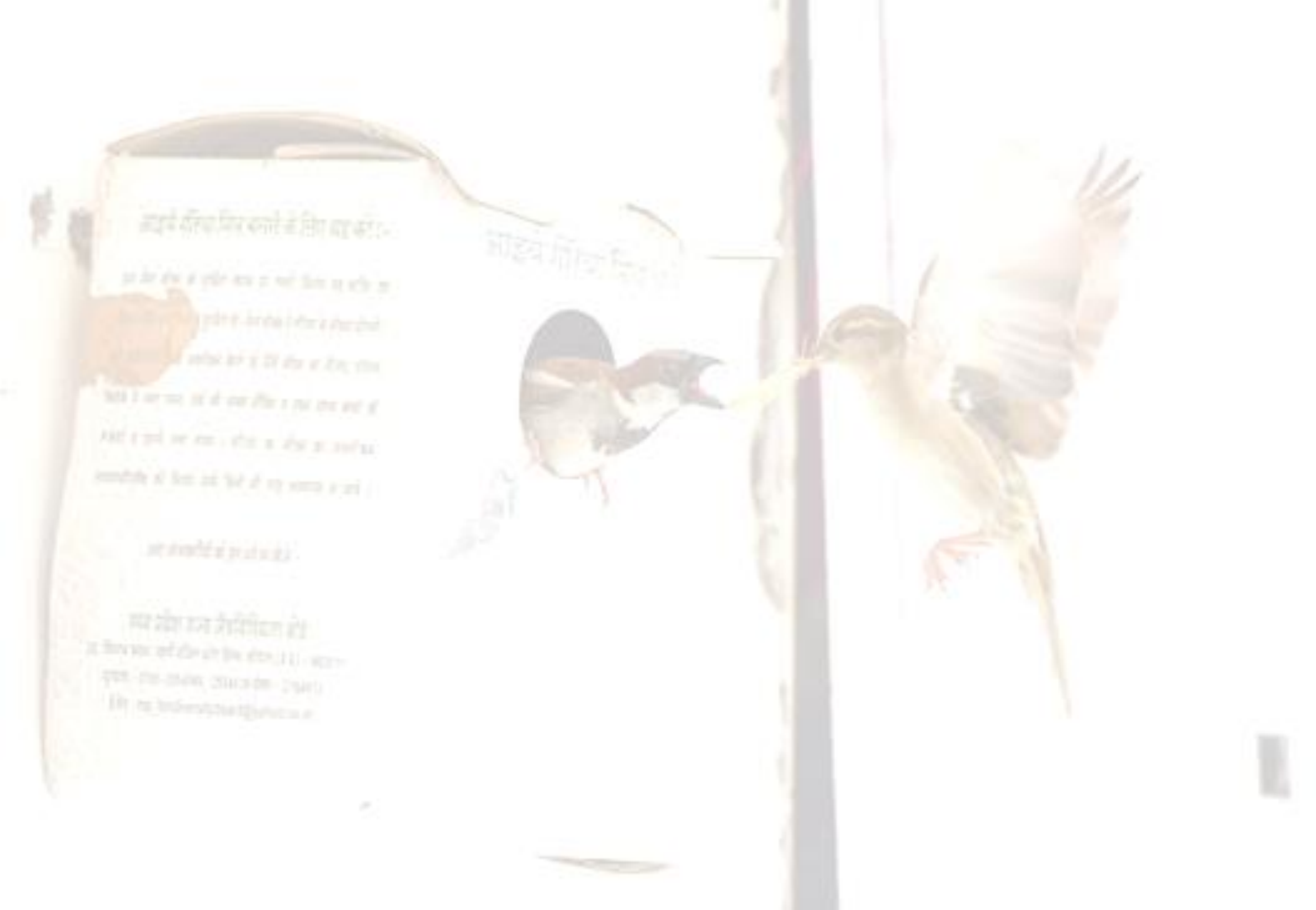

आइये गौरैया मित्र बनें

भोपाल बर्ड्स कंज़र्वेशन सोसाइटी
30 , सलेहा परिसर , फेज -2 , नरेला , भोपाल
संपर्क : 9303115519 , 8319324353
ई -मेल : bhopalbirds@yahoo.com